TEE जून 2026 और दिसंबर 2026 के लिए असाइनमेंट

BPYC-103

भारतीय दर्शन: शास्त्रीय और समकालीन

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं।

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

1. वेदांत दर्शन में बंधन और मुक्ति की अवधारणा की व्याख्या और मूल्यांकन करें। 20

या

प्रत्यक्ष पर एक टिप्पणी लिखें। न्याय के प्रत्यक्ष के सिद्धांत पर विस्तार से चर्चा करें। 20

2. जैन धर्म के स्याद्वाद और अनेकांतवाद के सिद्धांत की विस्तार से व्याख्या करें। 20

या

बौद्ध धर्म में ज्ञान के स्रोत (प्रमाण) क्या हैं? चर्चा करें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

a) अद्वैत वेदांत में माया की अवधारणा की व्याख्या करें। 10

b) भारत में सूफी संतों के महत्व पर एक टिप्पणी लिखें। 10

c) रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन, धर्म और शिक्षा के दर्शन पर चर्चा करें। 10

d) शैव धर्म और वैष्णव धर्म के बीच अंतर स्पष्ट करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

a) अहिंसक राज्य की गांधीवादी अवधारणा क्या है? 5

b) वैदिक दर्शन में पुरुषार्थ की अवधारणा की व्याख्या करें। 5

c) श्री अरबिंदो की 'सुपरमैन' की अवधारणा की व्याख्या करें। 5

d) नागार्जुन द्वारा प्रतिपादित शून्यवाद की अवधारणा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

e) स्वतंत्रता और कर्म पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की व्याख्या करें। 5

f) अंबेडकर के सामाजिक दर्शन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5*4=20

क) ख्यातिवाद 4

बी) योग दर्शन में चित्त 4

ग) नास्तिक दर्शन 4

घ) मोक्ष 4

ई) विशिष्टाद्वैत 4

च) माधव के अनुसार वास्तविकता के दो प्रकार 4

छ) एकात्म मानववाद 4

ज) अनुमान 4